

खबर संक्षेप

हाईकोर्ट से राहत मिलते ही सीएमओ अक्षत मण्डारी ने शहडोल नगर पालिका की संभाली कमान

शहडोल। शहडोल नगरपालिका परिषद के प्रशासनिक गलियारों से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। स्थानांतरण आदेश पर उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) जबलपुर से स्थगन (स्टे) मिलने के बाद मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) अक्षत मण्डारी ने मंगलवार, 1 सितंबर को नपा शहडोल में वापस आकर अपना प्रभार संभाल लिया है। उन्होंने नपा अध्यक्ष को अपना उपस्थिति प्रतिवेदन (उचाईनिंग रिपोर्ट) भी सौंप दिया है।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय, भोपाल द्वारा जारी आदेश के तहत सीएमओ अक्षत मण्डारी का स्थानांतरण नगरपालिका परिषद शहडोल से अनूपपुर कर दिया गया था। शासन के इस आदेश के खिलाफ सीएमओ ने माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर को दरवाजा खटखटया था और याचिका दायर की थी।मामले की सुनवाई करते हुए जबलपुर हाईकोर्ट ने 11 अगस्त 2026 को याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए शासन के स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के इसी आदेश के अनुपालन में 1 सितंबर 2026 को अक्षत मण्डारी ने नगरपालिका शहडोल पहुंचकर अपनी आधिकारिक उपस्थिति दर्ज करा दी।सीएमओ ने अपनी उपस्थिति की सूचना नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निज सचिव, आयुक्त (भोपाल), शहडोल कलेक्टर, संयुक्त संचालक और परियोजना अधिकारी को लिखित रूप से प्रेषित कर दी है। हाईकोर्ट के स्टे के बाद अक्षत मण्डारी की वापसी से शहडोल नगरपालिका के प्रशासनिक कामकाज में एक बार फिर तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

आकाशदीप साहू बने राष्ट्रीय बजरंग दल के नए जिलाध्यक्ष

शहडोल। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल (महाकोशल प्रांत) द्वारा शहडोल जिले में संगठन का विस्तार करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। संगठन की मजबूती और हिंदुत्व हित के कार्यों को गति देने के उद्देश्य से आकाशदीप साहू (लकी साहू) को राष्ट्रीय बजरंग दल का शहडोल जिलाध्यक्ष मनोनित किया गया है। यह नियुक्ति अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रणय भाई तोगडिया, प्रांत महामंत्री अशोक सोनी और प्रांत मंत्री मेहुल श्रीवास्तव की सहमति से की गई है। जिलाध्यक्ष विजय बहदुरानी द्वारा 31 अगस्त को जारी मनोनयन पत्र के माध्यम से नवनियुक्त जिलाध्यक्ष से संगठन के हिंदू ही आने के ध्येय को ध्यान में रखते हुए निष्ठापूर्वक कार्य करने की अपेक्षा जताई गई है।

आकाशदीप साहू के जिलाध्यक्ष बनने पर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।



अतिक्रमण और सिकुड़ती नालियों से घरों में घुस रहा पानी

वार्ड 16 में हर बारिश में नरक जैसी स्थिति, निवासियों का छलका दर्द

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 16 स्थित पटेल नगर और पटेल हॉस्टल के समीप जलभराव की गंभीर समस्या से स्थानीय नागरिक लंबे समय से त्रस्त हैं। थोड़ी सी बारिश होते ही पूरा इलाका टापू में तब्दील हो जाता है और गंदा पानी लोगों के घरों में समा जाता है। इससे रहवासियों को न केवल भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, बल्कि वे मानसिक प्रताड़ना झेलने को भी मजबूर हैं। रहवासियों का आरोप है कि इस क्षेत्र में प्राकृतिक लल निकासी के रास्तों पर भू-माफियाओं और स्थानीय लोगों द्वारा धड़ल्ले से अतिक्रमण कर लिया गया है। पहले जहां प्राकृतिक बहाव का चौड़ा नाला था, वहीं प्रशासनिक अनदेखी के कारण अब वह महज 50 सेंटीमीटर की संकरी नाली में बदल चुका है। उल्लेखनीय है कि इस मार्ग से न्यू बस स्टैंड, पुराना बायपास, पुलिस लाइन और घरौला मोहल्ला (हनुमान

मंदिर) क्षेत्र का भारी मात्रा में पानी होकर गुजरता है। पानी के भारी दबाव के सामने संकरी नालियां पूरी तरह बौनी साबित हो रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पूर्व में तत्कालीन कमिश्नर द्वारा मौके का मुआयना कर सीमांकन कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आक्रोशित रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटया गया और नाले का चौड़ीकरण नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यहाँ भीषण तबाही मच सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों ने कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर एक उच्चस्तरीय प्रशासनिक जांच समिति गठित करने और स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। निवासियों ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में कोई जनहानि या बड़ी अप्रिय घटना होती है, तो इसकी पूरी जवाबदेही स्थानीय प्रशासन की होगी।

2250 नौनिहाल जान जोखिम में डालकर पढ़ने को मजबूर करोड़ों के जीर्णोद्धार पर पानी?



सांदीपनि स्कूल में छत से टपक रहा भट्ठाचार

जयसिंहनगर। कहते हैं कि सरकारी तिजोरी में जनता का खून-पसीना होता है, लेकिन जयसिंहनगर के शिक्षा महकमे और घंटिया निर्माण करने वाले ठेकेदारों ने इस खून-पसीने के पैसे को अपनी नीयत की भेंट चढ़ा दिया है। विकासखंड मुख्यालय के सबसे प्रमुख सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का जीर्णोद्धार वर्ष 2021-22 में पूरे 2 करोड़ 89 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि फुंककर कराया गया था। लेकिन पहली ही मूसलाधार बारिश ने इस तथाकथित चमचमाते मॉडल स्कूल के दावों की हवा निकाल दी है।

आलम यह है कि जिस छत को सुधारने के नाम पर करोड़ों स्वाहा कर दिए गए, वहीं छत आज किसी चालू झरने की तरह टपक रही है।

पानी में छपाक-छपाक करते हुए पढ़ाई!

विद्यालय में इस समय लगभग 2250 छात्र-छात्राएं अपना भविष्य संवारने आते हैं, लेकिन भविष्य संवरना तो दूर, यहां बच्चों की जान पर बन आई है। झमाझम बारिश होते ही कक्षाओं के भीतर घुटने तक पानी की स्थितियां बन जाती हैं। छत की हर दरार से टपकता पानी यह चीख-चीखकर गवाही दे रहा है कि कैसे अधिकारियों और ठेकेदार

की ने गुणवत्ता को ठेंगे पर रख दिया। मासूम बच्चे बैग बचाएँ, अपनी कॉपियां सुखाएं या फिर जान बचाकर भागें? शिक्षक भी बेबस है, वे जलभराव और टपकती बूंदों के बीच छाता तानकर या जैसे-तैसे बच्चों को पढ़ाने की रस्म अदायगी कर रहे हैं। पढ़ाई कम, और जान बचाने की मशकत ज्यादा चल रही है।

आखिर कहां गया जनता का पैसा

जब किसी एक स्कूल की मरम्मत में 2.89 करोड़ जैसा भारी बजट फूंक दिया जाता है, तो जनता उम्मीद करती है कि इमारत दशकों तक नहीं हिलेगी। पर जयसिंहनगर में तो उलटा ही चमत्कार हो गया! महज दो-तीन सालों में ही पूरी छत छलनी हो गई। निर्माण के समय तकनीकी गुणवत्ता की जांच करने वाले योग्य इंजीनियरों की आंखें क्या बंद थीं? क्या ठेकेदार को काम का पेमेंट आंख बंद करके कर दिया गया या फिर बंदरबांट में अधिकारियों ने भी अपनी जेबें गरम की थीं? अगर गुणवत्ता की जांच हुई थी, तो घंटिया काम करने वाली एजेंसी पर अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई?

विद्युत शॉर्ट सर्किट का खौफ

गीली दीवारों, टपकती छत और बिजली के तारों



से लिपटे कमरों में 2250 बच्चों को बैठाना किसी बड़ी अनहोनी को खुला न्योता देने जैसा है। अगर दीवारों में करंट उतर आया या जर्जर छत का कोई हिस्सा किसी मासूम के सिर पर आ गिरा, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही अपनी कुंभकर्णी नौंद से जागेगा?

तो गांवों के जर्जर स्कूलों का क्या कहना

जब विकासखंड मुख्यालय के मुख्य स्कूल की यह दुर्दशा है, जहां नेताओं और अफसरों की गाड़ियां रोजाना गुजरती हैं, तो दूर-दराज के

2.89 करोड़ हजम कर गए जिम्मेदार

ग्रामीण इलाकों के जर्जर सरकारी स्कूलों का आलम क्या होगा? वहां तो शायद भगवान भरोसे ही नौनिहालों की सांसें चल रही हैं। इलाके के उद्देशित नागरिकों और अभिभावकों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बारिश के महेदनजर तत्काल 2 से 3 दिनों का अवकाश घोषित किया जाए। लोक निर्माण विभाग या किसी स्वतंत्र तकनीकी टीम से भवन की तत्काल निष्पक्ष जांच कराई जाए। लीकेज को तुरंत दुरुस्त किया जाए और 2.89 करोड़ का चूना लगाने वाले ठेकेदार व भ्रष्ट अधिकारियों से इस राशि की वसूली कर उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

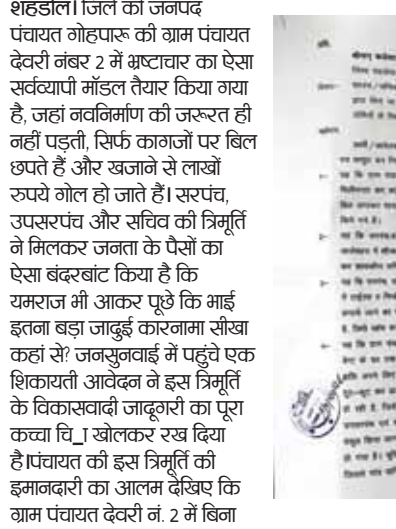
बांधवगढ़ बफर जोन से 5 शिकारी दबोचे गए, पका मांस और औजार जब्त

देवरी नं. 2 में त्रिमूर्ति का गजब खेल

हवा में बन गए कंट्रोल टैंक और सालेबेहरा के शौचालय!



के कटे हुए दांत और बाल बरामद करवाए, जिससे शिकार की पुष्टि पूरी तरह से हो गई। शुरुआती पृष्ठताछ और मौके से मिले सबूतों के आधार पर इस अवैध कारोबार में शामिल उधेलाल बैगा और मुकेश चौधरी के नाम भी सामने आए। वन टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों की भी हिरासत में ले लिया।सीमवार को वन विभाग ने विनोद बैगा, प्रेमलाल बैगा, छल्लु बैगा, उधेलाल बैगा और मुकेश चौधरी—इन पांचों आरोपियों के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। वन अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। साथ ही, यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह का संबंध वन्यजीवों के किसी बड़े अवैध नेटवर्क से तो नहीं है।



किसी प्रकार का कंट्रोल टैंक बनाए ही फर्जी बिलों की खेती कर दी गई। इतना ही नहीं, सालेबेहरा में शौचालय निर्माण के नाम पर सरकारी बजट को ऐसे खाफ किया गया मानो शौचालय कागजों पर ही बनकर उसका इस्तेमाल भी कर लिया गया हो। न टैंक दिखा, न शौचालय, लेकिन खाते से सरकारी रकम हवा की तरह उड़ गई।लूट का यह खेल यहीं खत्म नहीं होता। पंचायत के कांति महारथियों ने फर्जीवाड़े की हद पार करते हुए किसी भी सरकारी भवन में बिना कोई काम कराए ही कई-कई बोरी सीमेंट और पेट्टी भर-अखर टाइल्स लगाने का कागजी खेल रच डाला। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ये चमचमाती टाइल्स और बोरियां सीमेंट किस अदृश्य भवन में लगा दी गई? यह तो निष्पक्ष जांच ही

बताएगी कि यह चुना आखिर किस साहब के बंगले को चमकाने में काम आया। सबसे शर्मनाक और आकामक सच तो बैगा विकास योजना के पैसें की लूट का है।

योजना के तहत बैगा बस्ती में पीसीसी सड़क बनाई जानी थी। कागजों में और प्रशासनिक स्वीकृति में सड़क गंदेदाला बैगा के घर से सुखलाल बैगा के घर तक बननी थी। लेकिन पंचायत की त्रिमूर्ति ने मनमानी की हदें पार करते हुए सड़क का रुख ही मोड़ दिया और उसे रामसहाय यादव के घर से सुखलाल यादव के घर तक बनवा दिया। वहीं एक साल पहले मनीष सोनी के घर से चेताराम बैगा के घर तक बनाई गई पीसीसी सड़क में घंटिया सामग्री का ऐसा चोल पिलाया गया कि वह साल भर में ही उसड़-खाबड़ होकर गिट्टियों में तब्दील हो गई। जबकि यह रास्ता बैगा बस्ती और गांव की खेर माता मढ़िया का मुख्य मार्ग है, जहां से पूरा गांव गुजरता है। बैगा

आदिवासियों के हक के पैसें पर ऐसा डाका डालकर अपनी जेबें भरने का यह खुला खेल चल रहा है।वाम देवरी नंबर 2 के निवासी बीरन बैगा ने कलेक्टर शहडोल की खैरत पर शिकायती पत्र सौंपकर पंचायत के इन विकास पुरुषों के खिलाफ मौर्चा खोल दिया है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि जिला स्तरीय अधिकारियों की विशेष टीम का गठन कर सूक्ष्मता और निष्पक्षता से जांच कराई जाए। बिना काम करके गठन की गई पूरी शासकीय राशि को कड़ी वसूली संबंधित कार्य एजेंसी (सरपंच, उपसरपंच व सचिव) से की जाए। शासकीय पैसों में खयाना और जालसाजी करने वाले इन तीनों जिम्मेदारों पर तत्काल पुलिस प्राथमिक दर्ज कराई जाए।

कमिश्नर ने सुनी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में संभाग के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्या सुनी तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम बहेरहा पंचायत ददरा टोला के रामकृपाल यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत के सचिव मुकेश तिवारी द्वारा पुनः शासन को गुमराह कर पुरानी पदस्थपना बहाल की गई। ग्राम ददरा टोला में विगत 12 वर्षों से की गई भ्रष्टाचार की नई इबारत लिखना प्रारंभ कर ग्रामीणों को खुली चुनौती दी जा रही है। कमिश्नर को बताया कि ग्राम ददरा टोला में नवीन तालाब निर्माण कार्य में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं। रामकृपाल यादव ने ग्राम पंचायत बहेरहा के ग्राम ददरा टोला में किये गए निर्माण कार्यों की जांच करने की मांग कमिश्नर से की। जिस पर कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल को पिकायत की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई में शहडोल जिले के जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत सेमरा के ग्राम लामर के छोटेलाल बैगा ने कमिश्नर को आवेदन करते हुए बताया कि मुझे प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आवास से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई दिनों से पंचायत सचिव को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आवास के लिफ



आवेदन दिया था लेकिन अभी तक आवास सूची में नाम नहीं दिख रहा है। श्री छोटेलाल बैगा ने कमिश्नर से प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आवास दिलाने की मांग की। जिस पर कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल को श्री छोटेलाल बैगा के आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अनूपपुर जिले के पुष्पराज तहसील के ग्राम खिरनी निवासी भीम सिंह उड़के ने कमिश्नर को आवेदन देकर बताया कि मेरा बेटा अमोल सिंह कक्षा 5वीं सत्र 2025-26 में प्राथमिक माध्यमिक शिक्षा खिरनी पुष्पराजगढ़ से उत्तीर्ण किया था। सत्र 2026-26 में मैं अपने बच्चे का नाम कक्षा 6वीं शासकीय माध्यमिक विद्यालय पड़मनिया में लिखवाया हूं। प्राथमिक शाला खिरनी से टीसी प्राप्त कर माध्यमिक शाला पडमनिया में भी जमा

जनशिक्षक ने डकारी स्कूल भवन की राशि, पोल खुली तो 4 साल बाद लौटाए पैसे

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत आने वाली वाम पंचायत कुम्हियां के पटपरी टोला से शिक्षा तंत्र में जारी भ्रष्टाचार का एक हेरान कर देते वाला मामला सामने आया है। यहां नौनिहालों के भविष्य पर किस कदर डाका डाला जा रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्राथमिक विद्यालय के अतिरिक्त कक्ष निर्माण की पूरी राशि एक जनशिक्षक ने अपने निजी खाते में जमा करवा ली। सालों बाद जब ग्रामीणों ने शिकायत की और पोल खुली, तो सांट-गांठ के खेल ने राशि तो वापस खाते में आ गई, लेकिन आज तक न तो दोषी पर एफआईआर दर्ज

हुई और न ही बच्चों को पक्की छत नसीब हो सकी।वाम पंचायत कुम्हियां की नवीन बसाहट पटपरी टोला में संचालित प्राथमिक विद्यालय के लिए शासन द्वारा 2,49,000 (दो लाख उनचास हजार रुपये) की राशि स्वीकृत की गई थी। यह राशि शाला प्रबंध समिति के खाते में इसलिए भेजी गई थी ताकि स्कूल में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराकर बच्चों को बेहतर माहौल दिया जा सके, लेकिन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुडवा के तत्कालीन जनशिक्षक ने प्रशासनिक पढ़ें का दुरुपयोग करते हुए 25 जून 2021 को यह पूरी राशि (2,49,000) शाला प्रबंधन समिति के खाते

से निकालकर सीधे अपने निजी बैंक खाते में ट्रान्सफर करवा ली। जब ग्रामीणों को इस फर्जीवाड़े की भनक लगी, तो उन्होंने कलेक्टर और जिला शिक्षा केंद्र के चक्कर काटने शुरू किए। शिकायत के बाद जब जांच एजेंसी सक्रिय हुई और आरोप साबित होने लगे, तब जनशिक्षक ने जांच एजेंसी से कथित सांट-गांठ कर मामला दबाने की कोशिश की। खुद को कानूनी शिकंजे से बचाने के लिए आरोपी जनशिक्षक ने लगभग 4 साल बाद—5 जुलाई 2025 को—वह मूल राशि (2.49 लाख) दोबारा शाला प्रबंधन समिति के खाते में जमा करा दी।सबसे

बड़ा सवाल यह है कि राशि जमा कराने के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। न तो दोषी जनशिक्षक के खिलाफ कोई दंडात्मक व कानूनी कार्रवाई की गई और न ही भवन का निर्माण कार्य शुरू कराया गया। प्रशासनिक उन्नतिनता की इस सांट-गांठ का खामियाजा उन मासूम बच्चों को गुगलाना पड़ रहा है, जो कड़कें की धूप और मुसलाधार बारिश के दौरान भी पड़ें की छांव व तिरपाल के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। आरोप तो यह भी है कि उक्त आरोपी कर्मचारी शिकायतकर्ताओं को लगातार धमकियां भी दे रहा है।



खबर संक्षेप

जिला चिकित्सालय के ओपीडी काउंटर में नियुक्त आपरेटर्स के मानदेय से राशि की होगी काटौती

उमरिया। जिला चिकित्सालय उमरिया में इलाज कराने वाले मरीजों द्वारा प्रायः शिकायत की रही है कि ओ पी डी. पर्ची काटने के दौरान रजिस्ट्रेशन शुल्क ले लिया जाता है परंतु कम्यूटर निकलने वाली पर्ची में शुन्य ही अंकित रहता है। इस तरह की शिकायत पिछले कुछ दिनों से लगातार प्राप्त हो रही है। सिविल सर्जन डा के सी खोनी ने रजिस्ट्रेशन कक्ष में नियुक्त आपरेटर नीलेश कुमार मिश्रा, वरुण खोनी, गीतिका दहायत, अनुष्का तिवारी एवं अंकित सिंह को निर्देश दिए है कि उनके मानदेय की राशि से अगस्त माह का सात दिन की राशि की कटौती की जाएगी। उन्हें आगाह किया गया है कि भविष्य में यदि इस तरह की पुनरावृत्ति पाई जाती है तो उनको सेवा से पृथक किया जावेगा ।

टाउन हॉल चंदिया में आयोजित होगा शिविर

उमरिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 3 सितंबर को नगरीय क्षेत्र चंदिया के सभी वाडों अधिकारियों द्वारा भ्रमण किया जाएगा तत्पश्चात टाउन हॉल चंदिया में शिविर का आयोजन होगा । कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि अभियान में नगरीय क्षेत्र चंदिया की सीधम हेल्पाइडन , जनसुनवाई में लंबित शिकायतों के साथ ही शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया जाएगा।

कलेक्टर एवं सीईओ ने जनसुनवाई में सुनी 60 आवेदकों की समस्याएं



माह से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने, मिठाई लाल कोल बरबसपुर ने मानदेय नहीं मिलने, सैमिया बाई बैगा खालेकटई ने विधवा पेंशन योजना का लाभ दिलाने, राधा बाई भरोला ने पीएम आवास की स्वीकृत किस्त दिलाने, प्रहलाद सिंह नौरोजाबाद ने ईपीएफ की जांच कराने संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में चंदिया नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 9 के रहवासियों ने सड़क एवं नाली निर्माण कार्य की धीमी प्रगति के संबंध में कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को शीघ्र कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, तहसीलदार बांधवगढ़ दिलीप सोनी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हल षष्ठी की पूर्व संध्या पर अमरकंटक में पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर बाजार में बढ़ी रौनक



पुत्रवती माताओं एवं महिलाओं ने हरछठ पूजन के लिए खरीदी दातून, पतल, सात अन्न, मिट्टी के पात्र, फल एवं श्रृंगार सामग्री

अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में हल षष्ठी (हरछठ) पर्व की पूर्व संध्या पर मंगलवार को बाजार में विशेष चहल-पहल देखने को मिली। संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना को लेकर पुत्रवती माताओं और महिलाओं ने विधि-विधान से होने वाले हरछठ पूजन के लिए आवश्यक पूजन सामग्री की जमकर खरीदारी की। पर्व को लेकर सुबह से ही नगर के विभिन्न बाजारों में महिलाओं की आवाजाही बनी रही और पूजन सामग्री की दुकानों पर रौनक दिखाई दी। हल षष्ठी सनातन परंपरा में मातृशक्ति की श्रद्धा, संतान के प्रति वात्सल्य और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इसे हलछठ, हरछठ, ललही छठ एवं कमर छठ आदि नामों से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के ज्येष्ठ भ्राता हलधर भगवान बलराम से जुड़ा है। इस दिन माताएं व्रत रखकर संतान के दीर्घ जीवन, आरोग्य और सुख-समृद्धि की प्रार्थना करती हैं। हरछठ की पूजा में सामान्य पूजन सामग्री के साथ प्राकृतिक रूप से प्राप्त वस्तुओं का विशेष महत्व माना जाता है। क्षेत्रीय परंपराओं के अनुसार झरबेरी, पलाश, गुलर, महुआ, कांस, सात प्रकार के अन्न, मिट्टी के पात्र सहित अनेक सामग्री पूजन में उपयोग की जाती है। हल से जोती गई भूमि की उपज के स्थान पर प्राकृतिक रूप से प्राप्त वस्तुओं को महत्व देना इस पर्व की विशिष्ट परंपराओं में शामिल है। इसी परंपरा के अनुरूप अमरकंटक के बाजार में लल्लू राम उसराठे एवं उनके पुत्र किशोर उसराठे दातून, माहुल के पत्तल तथा छह प्रकार की पूजन सामग्री से तैयार जारिछूली लेकर शांति कुटी के सामने बैठे रहे। महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक इन

भावपूर्ण सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह सम्पन्न
सेवा से विदाई, स्मृतियों से नहीं: डॉ. धर्मेन्द्र द्विवेदी



जयसिंहनगर। पं. अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय, जयसिंहनगर के प्राचार्य डॉ. धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी के सेवानिवृत्ति अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा भावपूर्ण सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्राध्यापकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर डॉ. द्विवेदी को सम्मानपूर्वक विदाई दी तथा उनके सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय भावी जीवन की कामना की। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्ति शासकीय दायित्वों से विराम

अवश्य है, किंतु व्यक्ति के अनुभव, संस्कार और सेवाओं का अंत नहीं। डॉ. धर्मेन्द्र द्विवेदी ने अपने सेवाकाल में एक प्राचार्य के रूप में प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ कुशल मार्गदर्शक, संवेदनशील शिक्षक और अभिभावक की भूमिका निभाई। उनके सरल, सहज, अनुशासित एवं मिलनसार व्यक्तित्व ने महाविद्यालय परिवार में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। वक्ताओं ने कहा कि किसी शिक्षक की सबसे बड़ी उपलब्धि उसके पद अथवा सम्मान में नहीं, बल्कि उन विद्यार्थियों के जीवन में दिखाई देती है, जिन्हें उसने ज्ञान के साथ संस्कार और जीवन की सही दिशा प्रदान की हो। इस दृष्टि से डॉ.

द्विवेदी का सेवाकाल निश्चित रूप से स्मरणीय, प्रेरणादायी और अनुकरणीय रहा है। अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि महाविद्यालय के विकास, शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए डॉ. द्विवेदी द्वारा किए गए प्रयास सदैव स्मृतियों में जीवंत रहेंगे। उनके अनुभव और मार्गदर्शन को महाविद्यालय परिवार ने अपनी अमूल्य धरोहर बताया। समारोह में विदाई के क्षणों में वातावरण भावुक हो उठा। सहकर्मियों एवं विद्यार्थियों ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि व्यक्ति से पद छूट जाता है, लेकिन उसके कर्मों की खुशबू और आत्मीयता लंबे समय तक लोगों के हृदय में बनी रहती है। डॉ. द्विवेदी के साथ बिताए कार्यकाल को सभी ने आत्मीय स्मृतियों के रूप में याद किया।अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. धर्मेन्द्र द्विवेदी को शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ आदि भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ, सुखमय, दीर्घायु एवं आनंदपूर्ण जीवन की मंगलकामना की गई।

विदाई के अवसर पर यही भाव मुखर हुआ— दायित्वों की राह में जो दीप आपने जलाए हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के पथ को रोशन करते जाएंगे।

सेवा से आज भले ही विराम मिला है आपको, आपके कर्म और संस्कार सदा याद आते जाएंगे। महाविद्यालय परिवार ने डॉ. धर्मेन्द्र द्विवेदी को सेवानिवृत्ति की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि आपका अनुभव हमारी धरोहर है और आपका स्नेह



एवं मार्गदर्शन सदैव हमारा संबल बना रहेगा। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ धर्मेन्द्र द्विवेदी ने नम आंखों से कहा कि मुझे जो स्टॉप का जो सहयोग जो मेरे कार्यकाल में मिला है उन समस्त प्राध्यापक एवं अन्य कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता एवं आए हुए अतिथियों का प्यार स्नेह और सम्मान मिला है उससे मैं अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन बड़े ही भाग्य से मिलता है इसलिए जीवन में हर व्यक्ति को अच्छे कार्य करना चाहिए व्यक्तित्व ही व्यक्ति को महान बनाती है। उक्त कार्यक्रम में श्री द्विवेदी का पूरा परिवार पूरे रिश्तेदार उपस्थित रहे। उनके चाचा परशुराम द्विवेदी एवं तीनों छोटे भाई शारदा द्विवेदी, शिक्षक मुनीश द्विवेदी प्राचार्य

डॉ.राघवेंद्र द्विवेदी एवं पूरे परिवार रिश्तेदारों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अरुण गौतम, सातिका प्रसाद तिवारी, भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य राजेश द्विवेदी, जिला कार्य समिति सदस्य एवं वनोपज समिति उपाध्यक्ष रामनारायण पांडेय, सेवानिवृत्त प्राध्यापक दीनबंधु मिश्रा, सेवा निवृत्त प्राचार्य सनत पांडेय, संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयसिंहनगर के प्राचार्य राजीव तिवारी, निर्मल द्विवेदी मीडिया से सूरज पयारी, राकेश गुप्ता, पंकज पाण्डेय , अंशु पांडेय एवं समाज सेवी विनय दुबे ,आदेश शुक्ला, शीतेंद्र पयारी, लकी सहित समस्त नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना’ के अंतर्गत अंतरित की राशि



उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 'प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत एक लाख 21 हजार से अधिक विद्यार्थियों के खातों में लैपटॉप क्रय हेतु 304 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। उमरिया जिले में 631 बच्चे लैपटॉप के लिए पात्र थे जिन्हें 25000 रुपये प्रति छात्र के मान से राशि वन क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण स्कूलों में देखा एवं सुना गया ।



वंदेमातरम के गायन के साथ की गई शासकीय काम काज की शुरुआत

उमरिया। अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता की उपस्थिति में संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्र गान , राष्ट्रीय गीत एवं मध्यप्रदेश गान के सामूहिक गायन के साथ शासकीय कार्यों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता निभाते हुए प्रदेश एवं राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा, सम्मान और समर्पण का भाव व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय कार्य संस्कृति में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, एकता तथा सांस्कृतिक मूल्यों की और अधिक सुदृढ़ करना है। इस अवसर पर एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज , नायब तहसीलदार लक्ष्मी वर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सकोला में कथित अनियमितताओं को लेकर कलेक्टर से शिकायत, जांच की मांग

बदरा/जमुना। ग्राम पंचायत सकोला, जनपद पंचायत अनूपपुर में कथित वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर ग्राम पंचायत के पंच नरेंद्र कुमार साहू ने कलेक्टर अनूपपुर के समक्ष लिखित शिकायत प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता नरेंद्र कुमार साहू ने पंचायत के सचिव प्रभारी रमेश कुमार विश्वकर्मा एवं रोजगार सहायक के संबंध में विभिन्न पंचायत कार्यों और भुगतान प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 18 जनवरी 2024 से जुलाई 2024 के बीच पंचायत के विभिन्न कार्यों में आवश्यक दस्तावेजों के बिना बिल लगाए गए तथा कथित रूप से फर्जी बिलों के माध्यम से राशि का अहरण किया गया। शिकायत में महिला आदिवासी सरपंच में संबंधित विभाग से जांच दुरुपयोग का आरोप भी लगाया गया है। इसके साथ ही शिकायतकर्ता ने एक ही समग्र आईडी में मां और बेटे



दोनों को आवास स्वीकृत किए जाने तथा ग्राम पंचायत सकोला में आवास योजना से संबंधित राशि में कथित अनियमितता का मुद्दा भी उठाया है। दस्तावेज के अनुसार शिकायत 1 सितंबर को कलेक्टर कार्यालय में दर्ज कराई गई है। शिकायत की पावती में निराकरण की समय-सीमा 29 सितंबर अंकित है। मामले में संबंधित विभाग से जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की अपेक्षा की गई है। शिकायतकर्ता नरेंद्र कुमार साहू ने मांग की है कि पंचायत में हुए

कार्यों, भुगतान और संबंधित दस्तावेजों का निष्पक्ष सत्यापन कराया जाए तथा जांच में यदि कोई अनियमितता अथवा वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि शिकायत में लगाए गए आरोप फिलहाल शिकायतकर्ता के आरोप हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। संबंधित पंचायत पदाधिकारियों का पक्ष सामने आने के बाद मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

रामनगर पुलिस की सफलता, चोरी में प्रयुक्त स्वराज ट्रैक्टर व चोरी गई ट्रॉली 7 दिन में बरामद राजनगर। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त मुराब (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्त्य के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस को ट्रॉली चोरी के प्रकरण में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

पुलिस टीम ने चोरी में प्रयुक्त स्वराज ट्रैक्टर एवं चोरी गई ट्रॉली बरामद करते हुए एक विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया है। 24 अगस्त को ग्राम भलवाही निवासी देव सिंह गोंड (उम्र 56 वर्ष) ने थाना रामनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर उसके घर के बाहर खड़ी ट्रॉली चोरी कर ले गए हैं। चोरी गए ट्रॉली की कीमत 1,25,000 थी। इस संबंध में थाना रामनगर में अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा लगातार पतासाजी, मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साधनों के आधार पर जांच की गई। जांच के दौरान 31 अगस्त को चोरी में प्रयुक्त स्वराज ट्रैक्टर तथा चोरी गई ट्रॉली विधि-विरुद्ध बालक (परिवर्तित नाम) राजकुमार शर्मा, पिता राकेश शर्मा, उम्र 17 वर्ष, निवासी भेंडवा टोला, थाना भालूमाड़ा के कब्जे से बरामद की गई।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को हर्षोउल्लास से मनाने की तैयारी जोरशोर से शुरू



जा रहा है। मूर्ति कार रमेश पाल ने बताया कि इस बार भगवान कृष्ण की छोटी बड़ी मूर्ति मिलकर 50 मूर्तियां बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस बार पेंट एवं सजावट का सामान महंगा होने के कारण मूर्तियों की कीमत भी ज्यादा है। उन्होंने बताया कि 1000 रूपए से लेकर 7000 रूपए तक की मूर्तियां उन्होंने

बनाई है। जन्माष्टमी पर्व को 3 दिन शेष हैं जिसके लिए दिन-रात वह एवं उनके सहयोगी मूर्तिकार भगवान कृष्ण की मूर्ति को मूर्ति रूप देने में जुटे हुए हैं। मूर्तिकार गोपाल पाल ने बताया कि इस बार उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की लगभग 60 मूर्तियां छोटी-बड़ी मिलाकर निर्माण किया है। उन्होंने बताया कि 1200

रूपए से लेकर 4000 रूपए कीमत तक की मूर्तियों का निर्माण उनके द्वारा किया गया है। जन्माष्टमी का त्यौहार नजदीक है जिसको देखते हुए दिन रात मूर्तियों को मूर्त रूप देने में लगे हुए हैं। मंदिरों में सजावट की तैयारी नगर के पंचायती मंदिर एवं पुरानी बस्ती में राधा कृष्ण मंदिर को विशेष रूप से सजाने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पंचायती मंदिर के पुजारी कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी मंदिर को नये रूप से सजाया जाएगा। मंदिर को बेहद खूबसूरत ढंग से सजाने की कवायद शुरू हो चुकी है, जहां लोग पिछले कई दिनों से तैयारी को लेकर दिन-रात लगे हुए हैं। पुरानी बस्ती राधा कृष्ण मंदिर में मूर्ति की स्थापना भी की जाती है जिसको लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी गई है। कृष्ण-गोपियों की झांकियां बेहद ही सुंदर तरीके से सजाया जायेगा। नगर में विभिन्न जगहों पर भगवान कृष्ण की झांकियां सजाकर प्रतिमा स्थापित की जाएगी इसके लिए अभी से समिति के लोगों ने तैयारी शुरू कर दी गई है।



खबर संक्षेप

जिले में अब तक 717.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज कटनी। जिले में 1 जून से 31 अगस्त तक कुल 717.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विहित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 915.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1211.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 1037.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। कटनी तहसील में 640.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 867.3 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 464.1 मिलीमीटर, बरही तहसील में 556.8 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 706.8 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 661.8 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 1037.4 मिलीमीटर तथा दीमरखेड़ा तहसील में 803.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

बिल भुगतान समयबद्ध करने आयोजित होंगे शिविर कटनी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम पंचायत में विद्युत कनेक्शन,विद्युत मीटर एवं विद्युत बिलों का समयबृद्ध भुगतान सुनिश्चित किए जाने हेतु जनपद स्तर पर शिविर आयोजित किए जाने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र वितरण कंपनी लिमिटेड कटनी के अधिकारियों को दिए हैं। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर उक्त संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। जारी कैलेंडर के अनुसार 1 सितंबर को जनपद पंचायत बड़वारा के सभा कक्ष में, 2 सितंबर को जनपद पंचायत बहोरीबंद के सभा कक्ष में, 3 सितंबर को जनपद पंचायत दीमरखेड़ा के सभा कक्ष में, 8 सितंबर को जनपद पंचायत कटनी के सभा कक्ष में, 9 सितंबर को जनपद पंचायत रीठी के सभा कक्ष में एवं 10 सितंबर को जनपद पंचायत विजय राघवगढ़ के सभा कक्ष में प्रातः 11 बजे से शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को बिंदु क्रमांक 1 से 8 तक निर्देशों की पूर्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

तीन अधिकारियों को नोटिस, दो पटवारियों की रोकी वेतनवृद्धि

हरिभूमि न्यूज» कटनी समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर आशीष तिवारी ने अधिकारियों को सुस्त कार्यशैली में सुधार लाने की नसीहत देते हुए कहा कि अधिकारी विभागीय अद्यतन जानकारी, लंबित प्रकरणों की स्थिति और की गई कार्रवाई की पूरी तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। लापरवाही, देरी और अनुपस्थिति को किसी भी स्थिति में बढ़ाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में समय पर उपस्थित नहीं होने तथा अनुपस्थित रहने को कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग, मंडी सचिव तथा बीईओ रीठी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा की बैठकों में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति और विभागीय प्रकरणों की सही जानकारी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अधिकारी बैठक को गंभीरता से लें और सौंपे गए दायित्वों की नियमित रूप से मॉनीटरिंग करें।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने फौती नामांतरण से संबंधित लंबित प्रकरण का समय पर निराकरण नहीं करने पर तहसील बरही में पदस्थ पटवारी की दो वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने नायब तहसीलदार सिलौड़ी को सिलौड़ी बस स्टैंड से अवैध कब्जा हटवाकर वहां शौचालय निर्माण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने तहसीलदार बहोरीबंद एवं दीमरखेड़ा को फार्मर आईडी बनाने के कार्य में गति लाने की हिदायत दी। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा एवं अभिलेख दुरुस्ती से संबंधित लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू कक्षाओं का सत्र प्रारंभ, विधायक ने किया सत्र का शुभारंभ



ब्यौहारी-।

पंडित राम किशोर शास्त्री कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कोर्स के बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू कोर्स के नए सत्र का शुभारंभ 30 अगस्त को हो गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक शरद कल एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ आर के तिवारी प्राचार्य अध्यक्षता शिवदत्त उरमलिया समन्वयक जन अभियान

परिषद द्वारा की गई कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपनी बात रखी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ आरके तिवारी ने कहा कि इस पाठ्यक्रम को रोजगार मुखी एवं नैतिक शिक्षा भी इसमें शामिल की जाए परामर्शदाताओं का मानदेय भी बढ़ाया जाए यह सब लोगों को आगे बढ़ाते हैं पर सबको आगे बढ़ाते बढ़ाते इनके बच्चे पीछे न रह जाएं यह सरकार की ध्यान देना चाहिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती हम सब लोगों के लिए

समाज सेवा जरूरी है चाहे कोई छोटा व्यक्ति हो या बाद हर व्यक्ति महत्वपूर्ण है हर व्यक्ति की भागीदारी इस प्रकृति में महत्वपूर्ण है कार्यक्रम का संचालन सरस्वती चंद्र पांडे विद्या ने किया। नशा मुक्ति एवं राष्ट्र निर्माण की दिलाई गई शपथ विधायक शरद कोल द्वारा सभी को नशा मुक्ति एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की संपत्ति दिलाई गई कार्यक्रम के बाद एक पेड़ मां के नाम के तहत महाविद्यालय के प्रांगण में काजू और आवाले का पौधा रोपित किया, नए छात्र-छात्राओं को पुस्तक

वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से,डां योगेश चन्द्र गुप्ता, हीरालाल साहू, रामेश्वर पाल अर्पिता सिंह बेस, मंगल सिंह, यमुना प्रसाद नापित,दिलीप बैश्य,समीम खान समाजसेवी, डां अशोक कुमार तिवारी, डां संजय गुप्ता, सुदामा प्रसाद गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह, सुखेंद्र गुप्ता, राम लखन गुप्ता,मनीष मिश्रा, अच्युतानंद द्विवेदी एवं समस्त नवांकुर संस्थाओं के अध्यक्ष सचिव, प्रस्फुटन समितियों के सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संस्कृत सप्ताह में गूँजी संस्कृत की स्वर-लहरियाँ

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की प्रतिभा, श्लोक-पाठ से संस्कृत सम्भाषण तक विविध गतिविधियों ने बनाया वातावरण

संस्कृतमय ब्यौहारी। शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी में संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों में रुचि एवं जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. आर. के. तिवारी के

मार्गदर्शन एवं संयोजक डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी के संयोजन में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।संस्कृत सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों के लिए संस्कृत सम्भाषण, श्लोक-पाठ, संस्कृत भाषण, प्रश्नोत्तरी, सुलेख, काव्य-पाठ, संस्कृत गीत, संवाद एवं नाट्य-प्रस्तुति तथा पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए संस्कृत भाषा के प्रति अपनी अभिरुचि एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में

संस्कृत के सरल प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। श्लोक-पाठ एवं काव्य-पाठ ने कार्यक्रम को साहित्यिक गरिमा प्रदान की, वहीं संस्कृत सम्भाषण एवं संवाद गतिविधियों ने संस्कृत को व्यवहार की भाषा के रूप में प्रस्तुत किया।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. के. तिवारी ने कहा कि संस्कृत भारतीय ज्ञान, संस्कृति, दर्शन एवं साहित्य की महत्वपूर्ण आधारभूत भाषा है।विद्यार्थियों को संस्कृत की समृद्ध परम्परा से जोड़ने के लिए ऐसी गतिविधियाँ निरन्तर आयोजित की जानी चाहिए।कार्यक्रम के संयोजक डॉ.

मनीष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उसे संवाद, साहित्य एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति से जोड़ना आवश्यक है। संस्कृत सप्ताह का उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति आत्मीयता और गौरव की भावना विकसित करना है।संस्कृत सप्ताह के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं प्रोत्साहन प्रदान किया गया। कार्यक्रम की सफलता में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का

जगह जगह खोद गड्डे

निगम अध्यक्ष मनीष पाठक ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि नगर निगम सीमा अंतर्गत अमृत मिशन योजना के तहत जयंती सुपर कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रा.लि. द्वारा सीवर लाइन का कार्य किया जा रहा है।नगरीय सीमा में स्थान-स्थान पर गड्डे खोदे गए हैं, जिनमें मानक अनुरूप कार्य नहीं कराया जा रहा है। इसके कारण आमजन को आवागमन में परेशानी के साथ-साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है।उन्होंने पत्र में आगे उल्लेख किया है कि संबंधित ठेकेदार/कंपनी को कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा लगातार शिकायतें प्राप्त होने के बावजूद यदि लापरवाही जारी रहती है, तो ऐसी कार्यप्रणाली को किसी भी स्थिति में बदश्त नहीं किया जाएगा।

लापरवाही पर जांच उपरांत कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज» कटनी

अमृत मिशन अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी सीमा क्षेत्र में सीवर लाइन के चल रहे कार्य में लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निगम अध्यक्ष मनीष पाठक ने सख्त रुख अपनाया है। निगम अध्यक्ष ने दिनांक 24 अगस्त 2026 को निगम आयुक्त को पत्र लिखकर संबंधित ठेकेदार/कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्यों की जांच कर कंपनी को ब्लैक लिस्ट किए जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायालय ने सुनाया फैसला, अर्धदंड से भी किया गया दंडित

हरिभूमि न्यूज» कटनी

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में अनन्य विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, कटनी की अदालत ने दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों आरोपियों पर अर्धदंड भी लगाया गया है। मामले में पीड़िता को एक लाख रुपये प्रतिकर राशि दिलाए जाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भी पत्र लिखा गया है।नए स्थान तलाशें

अभियोजन के अनुसार थाना कुठला में दर्ज अपराध क्रमांक 419/2025 एवं विशेष प्रकरण क्रमांक एससी 19/25 में आरोपी संतोष उर्फ कल्लू पिता शिवप्रसाद (21), निवासी लमतारा फाटक,

थाना कुठला तथा रज्जन उर्फ टाइसन पिता शेखर उर्फ किशोर (19), निवासी लमतारा फाटक को दोषसिद्ध किया गया। मामले में आरोपी संतोष को भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87 के तहत 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 रुपये अर्धदंड तथा दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रुपये अर्धदंड से दंडित किया गया। वहीं आरोपी रज्जन उर्फ टाइसन को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) एवं पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में 10 वर्ष तथा 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्धदंड की सजा सुनाई गई।

अभियोजन के अनुसार 17 वर्षीय बालिका की आरोपी संतोष



किए तथा समुदाय के विकास और विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में बड़वारा विधायक श्री सिंह द्वारा समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान समुदाय के सदस्यों की विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों पर भी चर्चा की गई तथा उनके निराकरण के संबंध में आवश्यक संवाद किया गया।

कार्यक्रम में गांधी राजपाल, भूतपूर्व सैनिक अशोक राजपाल, सरपंच बसाड़ी विकास राजपाल, सरपंच खडौला नरेश राजपाल, एडवोकेट नागेश राजपाल, सरपंच झरेला अवसर राजपाल, शीला राजपाल, राधा पाल, पूर्णिमा पाल सहित समुदाय के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मंच संचालन शैख सबिर ने किया।

मेधावी विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों को विधायक ने प्रदान किए प्रमाण-पत्र

हरिभूमि न्यूज» कटनी

विमुक्त घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु समुदाय के लिए सोमवार को विमुक्ति दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में विमुक्ति दिवस कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, समुदाय के जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी, समाजसेवी तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिराज पाल ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन, लोकमाता देवी अहिल्याबाई के माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना से किया गया। इसके बाद समुदाय के जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त

नाबालिग से बलात्कार के आरोपियों को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा

थाना कुठला तथा रज्जन उर्फ टाइसन पिता शेखर उर्फ किशोर (19), निवासी लमतारा फाटक को दोषसिद्ध किया गया। मामले में आरोपी संतोष को भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87 के तहत 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 रुपये अर्धदंड तथा दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रुपये अर्धदंड से दंडित किया गया। वहीं आरोपी रज्जन उर्फ टाइसन को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) एवं पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में 10 वर्ष तथा 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्धदंड की सजा सुनाई गई।

डीएनए रिपोर्ट से पुष्टि

विवेचना के दौरान वैज्ञानिक साक्ष्य भी जुटाए गए। आरोपी संतोष की डीएनए रिपोर्ट नकारात्मक आने के बाद अग्रिम विवेचना की गई।

जलकर राहत योजना का लाभ लेने के लिये केवल 10 दिन ही शेष

हरिभूमि न्यूज» कटनी

नगर निगम कटनी द्वारा जलकर के बकायेदार उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई जलकर राहत योजना का लाभ लेने के लिए अब केवल 10 दिवस शेष रह गए हैं। योजना के अंतर्गत पात्र उपभोक्ताओं को अपने बकाया जलकर की 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त जमा करने पर शेष बकाया 50 प्रतिशत की छूट का लाभ दिया जा रहा है। योजना की निर्धारित अवधि 10 सितंबर के बाद इस प्रकार की राहत का लाभ प्राप्त नहीं किया जा सकेगा। ऐसे में नगर निगम प्रशासन द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए शीघ्र अपने बकाया जलकर का भुगतान कर योजना का

ईव्हीएम वेयर हाउस स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण



कटनी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष तिवारी द्वारा मासिक निरीक्षण के तहत सोमवार को कार्यालय कलेक्टर स्थित निर्वाचन सदन एड्चकर ईव्हीएम वेयर हाउस स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों एवं निर्वाचन शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारियों की मौजूदगी रही। निरीक्षण के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपेट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, सील, अभिलेखी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया गया। निरीक्षण पूर्ण होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए वेयरहाउस को पुनः सीलबंद किया गया। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मासिक निरीक्षण का उद्देश्य ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों की सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना तथा सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखना है।

बकाया कर जमा नहीं करने पर उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई तेज

लाभ प्राप्त करें। नगर निगम प्रशासन द्वारा जलकर वसूली को प्रभावी बनाने के साथ-साथ नागरिकों को बकाया राशि से राहत दिलाने के लिए योजना के व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। निगम के विभिन्न क्षेत्रों में लागूए गए राहत कार्डों के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देकर मौके पर ही बकाया जलकर जमा करने की सुविधा दी जा रही है। साथ ही ऑनलाइन माध्यम से भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध है, जिससे उपभोक्ता घर बैठे अपने बकाया जलकर का भुगतान कर राहत का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि जलकर राहत योजना बकायेदार

उपभोक्ताओं के लिए अपने पुराने बकाये को कम करने और जलकर खाते को नियमित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। योजना के तहत कुल बकाया जलकर में 50 प्रतिशत की राहत मिलने से उपभोक्ताओं पर लंबे समय से चले आ रहे बकाया जलकर का आर्थिक भार काफी कम हो सकता है। निगम प्रशासन ने इसे उपभोक्ताओं के हित में विशेष अवसर बताते हुए अपील की है कि पात्र उपभोक्ता समय सीमा के भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर योजना का लाभ अवश्य लें।

नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई तेज

इधर, जलकर की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध नगर निगम द्वारा नल

कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई भी तेज कर दी गई है। निगम की टीमों द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेकर बकाया राशि का 50 प्रतिशत जमा करने की समझाइश दी जा रही है। इसके बावजूद निर्धारित समय में बकाया राशि जमा नहीं करने वाले 5 उपभोक्ताओं के विरुद्ध नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्यवाही की गई।

निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने नल कनेक्शन को विच्छेदन की कार्रवाई से बचाने तथा जलकर खाते को नियमित रखने के लिए अंतिम 10 दिनों का इंतजार किए बिना तत्काल भुगतान करें। योजना का लाभ लेकर बकाया राशि से राहत प्राप्त करना उपभोक्ताओं के हित में सुनहरा अवसर है।

खबर संक्षेप



क्या इस बार स्कूलों में मनाई जाएगी

जन्माष्टमी?

सन्तुलन। मध्यदेश लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस वर्ष प्रदेश के विद्यालयों में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार 1 से 3 सितंबर तक विद्यालयों में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंगन, श्रीकृष्ण की शिक्षाओं एवं गीता ज्ञान से जुड़े प्रश्नों पर नाट्य एवं नृत्य मनन, धार्मिक मिथकों के संबंध में व्याख्यान करना सौंदर्यपूर्ण विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। आदेश में विद्यालयों की कार्यक्रमों की फोटो एवं पालन प्रतिवेदन ई-मेल के माध्यम से भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं। पिछले वर्ष भी मध्यदेश के शासकीय विद्यालयों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए थे। शासन के आदेश के बावजूद जिले के बड़ी संख्या में विद्यालयों में पिछले वर्ष अपेक्षित रूप से कार्यक्रम आयोजित नहीं होने की शिकायतें सामने आई थीं। स्थानीय स्तर पर यह आरोप लगाया गया कि कई विद्यालयों में कार्यक्रम तो दूर, विद्यालय भवन के ताले तक नहीं खुले। यदि पिछले वर्ष के निर्देश ऐसी रही तो इस बार केवल आदेश जारी करने से क्या स्थिति बदल जाएगी, यह बड़ा सवाल है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस बार आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कोई स्पष्ट कार्ययोजना और मॉनिटरिंग गिस्टिन तैयार किया है? विद्यालयों की विद्यार्थियों की निगरानी में संकुल प्राचार्यों और संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि पिछले वर्ष कुछ विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित नहीं हुए थे तो क्या संबंधित संकुल प्राचार्यों ने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी थी? क्या अनुपालन नहीं करने वाले विद्यालयों की समीक्षा की गई थी? और यदि समीक्षा हुई थी तो इस बार उन्हीं व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? लोक शिक्षण संचालनालय के आदेशों में कार्यक्रमों की फोटो तथा पालन प्रतिवेदन भेजने को कहा गया है। ऐसे में यह भी देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या विद्यालय केवल फोटो और कागजी प्रतिवेदन के आधार पर कार्यक्रमों की पूर्ति मान लेता या वास्तव में विद्यालयों में जागरूक मूलक स्थापना भी करया जाएगा। क्योंकि केवल कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें जमा देना और विद्यालय में वास्तविक रूप से विद्यार्थियों की सहभागिता के साथ आयोजन होना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। इस बार विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि कार्यक्रम कागजों और फोटो तक सीमित न रह जाए। जिले में शिक्षा विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आदेश को धरातल पर उतारने की है। यदि शासन की परामर्श विद्यार्थियों की भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन, गीता ज्ञान तथा गुरु-शिष्य परंपरा से परिचित करना है, तो प्रत्येक विद्यालय में कार्यक्रम की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस बार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों तथा संकुल प्राचार्यों को पहले से जिम्मेदारी तब करनी होगी। कार्यक्रम से पहले विद्यालयवार कार्ययोजना, कार्यक्रम के दिन उपस्थिति और आयोजन के बाद मूलक स्थापना जैसी व्यवस्था बनाई जाती है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी क्या जिला प्रशासन ने इस बार जन्माष्टमी आयोजन के लिए अलग से मॉनिटरिंग व्यवस्था बनाई है? क्या प्रत्येक विद्यालय के लिए कार्यक्रम की जिम्मेदारी तय की गई है? क्या संकुल प्राचार्यों को विद्यालयवार निगरानी का दायित्व दिया गया है? पिछले वर्ष जिन विद्यालयों में कार्यक्रम नहीं हुए, क्या उनका समीक्षा की गई? क्या इस बार विद्यालयों में अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण किया जाएगा? क्या केवल फोटो और पालन प्रतिवेदन के आधार पर कार्यक्रम की पूर्ति मान ली जाएगी? क्या कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों की वास्तविक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी? और सबसे बड़ा सवाल, क्या इस बार आदेश सिर्फ कागजों पर रहेगा या जिले के प्रत्येक विद्यालय में वास्तव में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं और भारतीय संस्कृति के शासन के आदेश का उद्देश्य निश्चित रूप से विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता की समझ विकसित करना है। अब जिम्मेदारी जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की है कि इस उद्देश्य को मजबूत औपचारिकता न बनने दिया जाए और पिछले वर्ष की कमियों से सतक लेते हुए इस बार प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ कार्यक्रमों का वास्तविक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

पंचायत की संपत्तियों पर कब्जे से लेकर खरीद-फरोख्त तक, सवालों के घेरे में व्यवस्था

पुष्पराजगढ़ जनपद की किरगो ग्राम पंचायत में सरकारी परिसरतियों और दुकानों पर कथित अवैध कब्जे तथा उनकी खरीद-फरोख्त का मामला सामने आया है। पंचायत क्षेत्र में वर्षों पहले बेहद कम राशि में लीज पर दी गई सरकारी दुकानों को अब लाखों रुपये में दूसरे लोगों को बेचे जाने की चर्चा है। आरोप है कि पंचायत की अनुमति और वैधानिक प्रक्रिया के बिना ही दुकानों का आपसी लेन-देन किया जा रहा है। ख़ास बात यह है कि यह पूरा मामला जिम्मेदार अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों की नजरों के सामने होने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं।

अनुपपुर। किराँगी जिले की प्रमुख पंचायतों में शामिल है। यहां जनपद पंचायत मुख्यालय होने के साथ यह क्षेत्र लंबे समय से महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र भी रहा है। व्यापारिक गतिविधियों के कारण यहां जमीनी और दुकानों की मांग लगातार बनी रहती है। इसी का फायदा उठाकर सरकारी जमीन और पंचायत की संपत्तियों पर कब्जे तथा दुकानों के अस्तंतरण का कथित खेल चलने की बात सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ मामलों में प्रशासनिक कर्मचारियों और स्थानीय स्तर के प्रभावशाली लोगों की कथित मिलीभगत से कब्जों को संरक्षण मिलता रहा है।

अब 50 लाख तक कीमत की चर्चा

किरगी पंचायत के पुराने पंचायत भवन के



सामान्य 1990 के दशक में निर्मित दुकानों को उस समय लगभग 30 हजार रुपये की राशि में लीज पर दिए जाने की बात सामने आई है। वर्तमान में इन्हीं दुकानों की कीमत लाखों रुपये तक पहुँच चुकी है। स्थानीय स्तर पर कुछ दुकानों की 50 लाख रुपये तक की बचत में बेचे जाने की चर्चाएँ हैं। इसी तरह शाला विकास बाजार क्षेत्र में भी पंचायत द्वारा अलग-अलग सामान पर निर्मित दुकानों का मामला चर्चा में है। बताया जाता है कि 1990 और 2000 के दशक में निर्मित इन दुकानों को 20 हजार से 50 हजार रुपये तक की राशि में आवंटित किया गया था। अब इनमें से कुछ दुकानों का कथित तौर पर एक व्यापारी से दूसरे व्यापारी को हस्तांतरण किया जा रहा है। यदि यह हस्तांतरण पंचायत की अनुमति और निर्धारित प्रक्रिया के बिना हुआ है तो यह सरकारी संपत्ति के नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है।

पंचायत, कांजी हाउस, श्रमिक शेड

तक पर सवाल

लेकरा पंचायत को सरकारों परिसंपत्तियों का लेना-देना इससे भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीयवासी और लोगों के अनुसार पुराने पंचायत भवन, कांजीहाउस, बंद घड़े सार्वजनिक शौचालय और श्रमिककलाश्रम शेंड जैसी पंचायत की परिसंपत्तियों के उपयोग और कथित हस्तांतरण को लेकर भी जांच की आवश्यकता है। बताया जा रहा है कि पंचायत के अधिकारी एक समय तक श्रमिक शेंड को भी कथित तौर पर निजीकरण के लिए बेचा था। यह भी व्यक्ति के उपयोग में दे दिया गया है। आरोप यह भी है कि गाड़सरई के एक स्वर्ण आभूषण व्यापारी को

उक्त श्रमिक श्रेष्ठ सौंपे जाने की बात सामने आई है हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होने अभी बाकी है। यदि पंचायत की परिसंपत्ति वास्तव में बिना वैधानिक प्रक्रिया के किसी निजी व्यक्ति को हस्तांतरित की गई है तो पूरे मामले की दस्तावेजी जांच आवश्यक होगी।

50 हजार की दुकान 55 लाख में बेचने की चर्चा

किरगो के शाला विकास बाजार में एक दुकान को लेकर सबसे अधिक चर्चा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक शुक्रगुलाठी दौरे में मामूली राशि में लीज पर मिली इस दुकान का हाल में एक व्यापारी से दूसरे व्यापारी को हस्तांतरण हुआ है और इसकी कीमत करीब 55 लाख रुपये बताए जाने की चर्चा है। यहि वित्त संसदारी दुकान को लीज की मूल शर्तों के विपरीत किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया गया है तो यह गंभीर विषय है। लीज अनुबंध में दुकान के हस्तांतरण, उपकरणों या बिक्री को लेकर व्यापार प्रावधान थे, इसकी जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इसके अलावा पंचायत के पास दुकानों की मूल आवंटन सूची, लीज अनुबंध हस्तांतरण की अनुमति और वर्तमान कब्जाधारियों का रिकॉर्ड भी उपलब्ध होना चाहिए।

सूदखोरी के जरिए दुकान हड़पने की भी चर्चा

एक दुकान को लेकर स्थानीय स्तर पर यह भा
चर्चा है कि पूर्व दुकान संचालक ने कथित तौर पर
ऊंची ब्याज दर पर रकम उधार ली थी। ब्याज

लिखे जाने संबंधी आरोप भी लगाए गए हैं। इन आरोपों की वास्तविकता का अंतिम निर्धारण सक्षम जांच और दस्तावेजों के आधार पर होना चाहिए, लेकिन यदि विभागीय जांच प्रतिवेदन में इनका प्रमाणिक उल्लेख मौजूद है तो कार्रवाई न होना अपने आप में बड़ा प्रशासनिक सवाल बन जाता है।

मुख्यमंत्री के जन विश्वास के सामने स्वास्थ्य विभाग की

कार्यप्रणाली पर सवाल

प्रशासन और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की बात करती है। ऐसे में आदिवासी अंचल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जुड़े इस प्रकरण में यदि जांच के बावजूद कार्रवाई लंबित रहती है, तो इसका सीधा असर जनता के विश्वास पर पड़ता है। गरीब मरीज सरकारी अस्पताल इसलिए पहुंचता है क्योंकि उसे भरोसा होता है कि वहां प्रशिक्षित चिकित्सक और सुरक्षित चिकित्सा व्यवस्था मिलेगी। यदि डॉक्टर की अनुपस्थिति में गैर-प्रशिक्षित लोग उपचार करने पाए जाते हैं, तो यह भरोसा टूटन स्वाभाविक है।

अब नवागत कलेक्टर के सामने

सबसे बड़ा सवाल

पूर्व मंत्री एवं विधायक बिसाहूलाल सिंह ने कलेक्टर से दोषी सिंघाद चिकित्सक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर हैं, कि वह इस मामले में जांच प्रतिवेदन, जीपीएस फोटो, वीडियोग्राफी और बयान जैसे बताए गए साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच कराता है या नहीं। सवाल किसी व्यक्ति विशेष को

समान प्रशासनिक मापदंड का है। यदि निर्जीव अस्पताल में डॉक्टर की अनुपस्थिति जनत

के स्वास्थ्य के लिए खतरा है, तो सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था में डॉक्टर का अनुपस्थिति में कथित रूप से गैर-प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा उपचार भी उतना ही गंभीर विषय होना चाहिए।

करैत सर्प के इसने से युवक एवं खेत में दो दिन बाद मिला वृद्ध का शव, पुलिस कर रही जांच

અનૂપપૂર્ણ અનૂપપૂર્ણ તથા જેઠાણી થાના ક્ષેત્ર મેં થાંત ઘેઠ ઘંઠવાળી મેં અંતરેત જાહેરલીં કામન કરેત (હજી કારયાલ) સપે કે હરને સે યુલક કો
કોતવાલે કોતવાલી થાના અનૂપપૂર્ણ અંતરંગ તારાડાં ગાંમ મેં ઘેઠે દિન બાદ મુઠ્ઠી કાં શેવે અંકે હી શેત મેં મિલને કો સૂઝાગો પાત પૂર્ણિતે ઘેઠે દિવા
કાર્યાંઘાંઘી કો જા રહી હી. જેઠેરથી થાના અંતંગત ગાંમ પંચાયત બૈઠાર કે મુઠ્ઠી ગાંમ મેં સોમવાર અંદે મંગલવાર કો મથ્ય રત ૩૩ વર્ષીય ગોરેલાલ
સિંઘ (પિતા દલબીર સિંઘ ગોંડે જા પંચા-પોના ઁને બાદ કે અંદર પલંગ પા સોર રહે તમી અચાએ અક અર્યંત જહરીલા કામન કરેત
(હજી કારયાલ) પ્રજાકિ જા સપાં ચિસ્તર પા વઢકર અંકે બાષ પૈર કે જાંબે કે પોઠે હરા લડા યિજાને પરિજનો દ્વારા સાનુદાયિક સ્વાસ્થ્ય કેંદ્ર
જેઠેરથી લે જાને પરીક્ષણ દેરાવળ પિત્તવિક્તકો મેં મુત ઘોષિત કરાવે હવે જેઠેરથી પુલિત કો સૂઝા દિષ જાને પા પુલિસ ઘેઠે દિવા પારંમિક
કાર્યાંઘાંઘી કુર મુતકો કે શેવ કા પંઘનામા અંદે પી.અ. કાર્યાંઘાંઘી કા મુતક કે શેવ કે અંતિમ સંસ્કાર હેતુ પરિજનો કો સોપા વહી
અનૂપપૂર્ણ કોતવાલી થાના અંતંગત ગાંમ તારાડાં કે અજુરુ ટોલા મેં ૬૫ વર્ષીય મુઠ્ઠી બેસાદુલાલ પાત રમડયાલ પટેલ જો ૩૦ અગસ્ટ કી
સુલક દસ ઁજે તક વર પા અલેરે રહે હી કાઠી વંજે જાને, પતા મહી વર્ગને પારિજનો દ્વારા ઁજોગીનાં કો જા રહી ઁજી ઁગમકા મુત હાલતા મેં
અંશ મંગલવાર કો સુબહ કે મેડે સૌ માંદર દૂર સ્થિત મુતક કે હી શેત કે ઁંઠે મેં મિલને પા કોતવાલી થાના અનૂપપૂર્ણ કો સૂચિત કિષે જાને
પા મહાલક ઁપ નિરીક્ષક સંકેડલાલ પ્રજાપિત કારા સ્થલ કા નિરીક્ષણ કરા મુતક કે શેવ કા પંઘનામા અંદે અન્ય કાર્યાંઘાંઘી કરેત હવે શેવ કા
પા જિલાલ વિકિસલાય અનૂપપૂર્ણ મેં પૈષપ કરા કારા મુતક કે શેવ કા અંતિમ સંસ્કાર હેતુ પરિજનો કો સોપેતે હવે જાનાં કો જા રહી હી.



**सहयोग सेल पर सवाल, जनसुनवाई
जिला कार्यालय में या जनता के द्वार?**

बिजुरी से 55, पसान से 35, कातमा से 40, राजेद्रग्राम से 35 और अमरकंटक से करीब 70 किलोमीटर दूर है

जिला मुख्यालय

अनुपूरण। भाजपा जिला सरगढ झिरा जन्ता एवं कार्यकर्ताओं का समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शुरू किए गए सत्रहवां एवं सत्रहवां सेल को लेकर जहां संगठन इसे जगहगत की पहल बना रहा है, वहीं अब इसकी कार्यपालनी को लेकर एक अहम सवाल भी खड़ा हो गया है। क्या वास्तव में दूर-दूरवासी को जिला अपनी समस्याएं लेकर जिला मुख्यालय जन्ता पहुँच पाएंगी? मंगलवार, 1 सितंबर को भाजपा जिला कार्यालय अनुपूरण में सहयोगी सेल की शुरुआत रथमालदेश अनुपूरण जन्ता जिला आयोग के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दाना प्रान्त प्रयागराज रतेत, नगर पालिका परिषद कोना अध्यक्ष जन्ता सरफ एवं भाजपा जिला उपप्रधान जन्ता मंत्री को मोजुगी में हुई। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व संबंधित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं सुनी गईं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा भी की गई। भाजपा संगठन ने निष्पत्ति यह है कि सहयोगी सेल में प्रान्त शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को भाजपा कार्यालय से पंचवार जिला जाएगा और कार्यवाई की जानकारी भी मांगी जाएगी। उद्देश्य निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन जन्ता तक इतनी व्यवस्था की पहुँच और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है।

क्या हर फरियादी 100 किलोमीटर का सफर तय करेगा?

जन्ता कोना अनुपूरण जिला मुख्यालय से बिजुरी का करीब 55 किलोमीटर, पसान करीब 35 किलोमीटर, कोना करीब 40 किलोमीटर, राजेंद्रगढ़ जिला करीब 35 किलोमीटर और अमरकंटक करीब 70 किलोमीटर दूर है। ऐसे में सवाल यह है कि इन क्षेत्रों के ग्रामीण, बुजुर्ग, महिलाएं और आर्थिक रूप से कमजोर लोग अपनी छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय तक बार-बार कैसे पहुँचेंगे? विशेषकर भारी बारिश के मौसम में इतनी दूरी तय करना अग नगरियों को के लिए आसान नहीं है। आने-जाने का खर्च, समय और अन्य प्रतियोगी भी किसी फरियादी के लिए कम चुनौती नहीं है। ऐसे में यदि जनसुनवाई का उद्देश्य वास्तव में अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना है तो व्यवस्था को जिला मुख्यालय तक सीमित रखना किताबत प्रभावी होगा, यह विचारणीय विषय है।

जनप्रतिनिधियों से सीधी मांग, जन्ता तक पहुँचाएं जनसुनवाई

क्षेत्र की जन्ता की मांग है कि सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि निधारित दिवसों पर स्वयं अलग-अलग क्षेत्रों में पहुँचकर जनसुनवाई करें। एक दिन कोना, एक दिन पसान, एक दिन बिजुरी, एक दिन राजेंद्रगढ़ और एक दिन अमरकंटक में जनसुनवाई आयोजित की जाए। संबंधित अधिकारियों की भी मौके पर उपस्थित करया जाए, ताकि शिकायतें केवल दर्ज न हो बल्कि उनके निराकरण की प्रक्रिया भी वहीं से शुरू हो। यदि जनप्रतिनिधि वास्तव में जन्ता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हैं तो उन्हें यह पहल स्वयं करनी चाहिए। आखिर लोकतंत्र में जन्ता जनप्रतिनिधियों तक पहुँचे या जनप्रतिनिधि जन्ता तक इसका फैसला कौन करेगा?

सिफ मुनवाइ नही, समायान में चाहिए

सहयोग सेल में कितनी शिकायतें आईं, यह महत्त्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह होगा कि किन्हीं शिकायतों का समयसमय में समाधान हुआ। जनसुनवाई की सफलता का पैमाना भाजपा कार्यालय में जुटने वाली भीड़ या कार्यालयों की उपस्थिति नहीं, बल्कि दूरस्थ गांवों के उस आम नागरिक की समस्या का समाधान होना चाहिए, जो सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते-काटते बस चुका है। जनता का सवाल साफ है जब सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि जनता के घोंट से घुने जाए हैं, तो फिर समस्याएँ लेकर जनता ही उनको कार्यालय तक क्यों दौड़े? क्या जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही यह नहीं बनती कि वे स्वयं जनता के बीच जाएं? अब भाजपा संगठन और जिले के सांसद-विधायकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि सहयोग सेल को केवल जिला कार्यालय की चारदीवारी तक सीमित रखा जाता है या इसे कोतमा, पसान, बिशुपुर, राजेंद्रगढ़ और अमरकंटक तक पहुंचाकर वास्तव में जनता का सहयोग सेल बनाया जाता है।

सरपंच बोले-नोटिस जारी कराएंगे

किरगो ग्राम पंचायत के सरपंच अर्जुन सिंह ने कहा कि सरकारी दुकानों को आपस में बेचने-खरीदने का अधिकार किसी को नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा किया गया है तो संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया जाएगा। दुकान छोड़ने की स्थिति में उसे पंचायत के हवाले करना होगा।

सचिव ने कहा-अवैध लेनदेन माना जाएगा

किरगो पंचायत सचिव अजय कर्नोजिया ने कहा कि यदि सरकारी दुकान को आपस में बेचा या खरीदा गया है तो ऐसा लेनदेन अवैध माना जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले से शीर्षा ही एसडीएम एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अवगत कराते हुए कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अब देखना यह है कि पंचायत स्तर से सामान आए इन आरोपों पर प्रशासन कितनी गंभीरता से जांच करता है और सरकारी दुकानों एवं अन्य परिस्पतियों के वास्तविक वास्तविक तथा कत्ती की स्थिति क्या निकलकर सामने आते है।

